

झारखंड में जल जीवन मशिन की स्थिति

चर्चा में क्यों?

झारखंड में [जल जीवन मशिन \(JJM\)](#) आठ जिलों में बाधित हो गया है, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हो रहे हैं।

प्रमुख बदि

- JJM के तहत '[हर घर नल जल](#)' योजना, जिसका उद्देश्य हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है, पछिले दो महीनों से पाकुड़, साहबिगंज, धनबाद, दुमका, गढ़वा, गुमला, लातेहार और समिडेगा में रुकी हुई है।
- इस नलिबन के पीछे मुख्य कारण [केंद्र सरकार द्वारा धनराशि जारी न करना](#) है, जिसके कारण ठेकेदारों को बकाया भुगतान न होने के कारण काम बंद करना पड़ रहा है।
 - झारखंड सरकार ने मशिन की गतिविधियों को पुनर्जीवित करने और इसमें तेजी लाने के लिये केंद्र सरकार से **6,324 करोड़ रुपए की धनराशि का अनुरोध किया है।**
- वर्ष 2019 में शुरू किए गए [जल जीवन मशिन](#) ने दिसंबर 2024 तक झारखंड में **62,55,717 घरों** में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।
 - हालाँकि, अब तक केवल **34,19,100 घरों को ही** कनेक्शन मल्ले हैं, जो लक्ष्य का केवल **54.66% ही है।**
- यह आँकड़ा [राष्ट्रीय औसत 79.79%](#) से काफी नीचे है, जिससे लगभग **45%** घरों को [स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।](#)
- झारखंड सरकार अब केंद्रीय प्राधिकारियों से आग्रह कर रही है कि मशिन को पुनर्जीवित करने के लिये [लंबित धनराशि शीघ्र जारी की जाए।](#)

जल जीवन मशिन (JJM)

- **शुरुआत:**
 - वर्ष 2019 में शुरू की गई इस योजना में वर्ष 2024 तक [कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन \(FHTC\)](#) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को **प्रति व्यक्ति प्रति दिन 55 लीटर पानी की** आपूर्ति की परिकल्पना की गई है, जिसे [बजट 2025-26](#) में 2028 तक बढ़ा दिया गया है।
 - यह मशिन [जल शक्ति मंत्रालय](#) के अंतर्गत आता है।
- **उद्देश्य:**
 - यह मशिन मौजूदा जल आपूर्ति प्रणालियों और जल कनेक्शनों की कार्यशीलता, जल गुणवत्ता की निगरानी और परीक्षण के साथ-साथ टिकाऊ कृषि को सुनिश्चित करता है।
 - यह संरक्षित जल का संयुक्त उपयोग, पेयजल स्रोत संवर्धन, पेयजल आपूर्ति प्रणाली, [गरे जल उपचार](#) और इसका पुनः उपयोग भी सुनिश्चित करता है।
- **वशिष्टाएँ:**
 - JJM स्थानीय स्तर पर [जल की एकीकृत मांग और आपूर्ति पक्ष प्रबंधन](#) पर ध्यान केंद्रित करता है।
 - अनिवार्य तत्त्वों के रूप में स्रोत स्थिरता उपायों के लिये स्थानीय बुनियादी ढाँचे का निर्माण, जैसे [वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पुनः उपयोग के लिये घरेलू अपशिष्ट जल का प्रबंधन](#), अन्य सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ अभिसरण में किया जाता है।
 - यह मशिन जल के प्रति सामुदायिक दृष्टिकोण पर आधारित है तथा इसमें व्यापक सूचना, शक्ति और संचार को मशिन के प्रमुख घटक के रूप में शामिल किया गया है।
- **कार्यान्वयन:**
 - [जल समितियाँ](#) गाँव की जल आपूर्ति प्रणालियों की योजना बनाती हैं, उनका कार्यान्वयन करती हैं, प्रबंधन करती हैं, संचालन करती हैं और रखरखाव करती हैं।
 - इनमें **10-15 सदस्य होते हैं, जिनमें कम से कम 50% महिला सदस्य और स्वयं सहायता समूह, मान्यता प्राप्त सामाजिक और स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी शक्ति** आदि से अन्य सदस्य होते हैं।
 - समितियाँ गाँव के सभी उपलब्ध संसाधनों को मिलाकर एक **बारगी ग्राम कार्य योजना तैयार करती हैं।** कार्यान्वयन से पहले योजना को [ग्रामसभा](#) में मंजूरी दी जाती है।
- **वित्तपोषण पैटर्न:**

- केंद्र और राज्यों के बीच नधिबँटवारे का पैटर्न हमिलयी और [पूरवोत्तर राज्यों के लिये 90:10](#), अन्य राज्यों के लिये 50:50 तथा केंद्रशासति प्रदेशों के लिये **100% है**।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/status-of-jal-jeevan-mission-in-jharkhand>

